



**National AIDS Control Organisation**

**India's Voice against AIDS**

Ministry of Health & Family Welfare, Government of India  
www.naco.gov.in

नाको

# समाचार

जनवरी-मार्च 2018

खंड X अंक 15



Dr. NARESH GOEL, DDO, NACO | Dr. MENK BEKEDAM, WHO COUNTRY REPRESENTATIVE | Sh. ALOK SAXENA, JOINT SECRETARY, NACO | Ms. ANUPRIYA PATEL, HIGH WALK WISE, NACO | Sh. JAGAT PRAKASH NADDA, NACO'S JUDICIAL MANAGER, NACO | Sh. SANJEEVA KUMAR, AS & SO, NACO | Dr. BILALI CAMARA, COUNTRY DIRECTOR, UNAIDS



Beti Bachao Beti Padhao



Swachh Bharat Abhiyan



# अनुक्रमणिका

## 1 मुख्य लेख

सामान्य वायरल लोड परीक्षण का लोकार्पण..... 6

## 2 कार्यक्रम

कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण..... 8

भारत में एच.आई.वी. निगरानी और परिमाणन की अपेक्षाकृत नई विधियों के संबंध में विशेषज्ञ परामर्श..... 12

एड्सकॉन 7 – एड्स मुक्त संसार की ओर..... 13

एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण योजना के संबंध में कार्यशाला..... 14

राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद् (एन.बी.टी.सी.) के शासी निकाय की 27वीं बैठक..... 15

नाको में स्वैच्छिक रक्तदान (एन.बी.डी.)..... 15

आई.डी.बी.आई. नई दिल्ली 10k मैराथन..... 16

प्राथमिकता-प्राप्त सी.ए.बी.ए. जरूरतों के लिए ग्राम पंचायत निधियों से आर्थिक सहायता..... 15

डी.ए.पी.सी.यू. का ब्लॉग: उच्च जोखिम समूहों और एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) के लिए कलंक एवं भेदभाव को मिटाने और सहायता जुटाने में भूमिका..... 17

## 3 राज्य

पश्चिम बंगाल..... 18

छत्तीसगढ़..... 19

नागालैंड..... 19

जम्मू और कश्मीर..... 20

राजस्थान..... 20

पंजाब..... 21

तमिलनाडु..... 21

पाँडिचेरी..... 22

मुंबई..... 22

अंडमान और निकोबार..... 22

## 4 समारोह

राष्ट्रीय युवा दिवस..... 23



# संरक्षक की कलम से



नाको समाचार का यह अंक जनवरी से मार्च 2018 की अवधि के दौरान आरंभ की गई विभिन्न गतिविधियों की झलक दिखाएगा। सबसे पहले, मैं एस अंक में आप सभी का स्वागत करता हूँ।

जैसा कि हम जानते हैं, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने देश में वायरल लोड (वी.एल.) परीक्षण परियोजना को बढ़ाया है। हाल ही में संपन्न हुए एक समारोह में, श्री जे.पी. नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने एक पहल का लोकार्पण किया था, जिसके अंतर्गत देश में एच.आई.वी./एड्स के लिए उपचार करवा रहे 12 लाख लोगों को एक वर्ष में कम से कम एक बार मुफ्त वायरल लोड परीक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

निमित्त के लिए दौड़ना मेरे लिए हमेशा ही खास रहा है और एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) के साथ पूर्ण एकता में, नाको ने नई दिल्ली में आई.डी.बी.आई. द्वारा आयोजित 10के मैराथन में भाग लिया है। स्नेहग्राम से सी.एल.एच.आई.वी. ने न केवल भाग लिया, बल्कि रिकॉर्ड समय में मैराथन को पूरा भी किया, जो दर्शाता है कि एच.आई.वी. पॉजीटिव होने के बावजूद, व्यक्ति स्वास्थ्यकर जीवनशैली को अपनाकर स्वस्थ रह सकता है।

अंतिम मील संपर्क सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, जिसमें कारागारों और अन्य बंद स्थानों में रहने वाले लोग शामिल हैं, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में कारागारों एवं अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण किया। पंजाब, चंडीगढ़, पूर्वोत्तर राज्यों, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में क्रियान्वित की गई पूर्ववर्ती हस्तक्षेप के परिणाम सभी राज्यों में इस हस्तक्षेप का तीव्रता से विस्तार करने के महत्ता को बार बार दोहराते हैं।

मुझे आशा है कि इस सूचनापत्र को पढ़कर आपको लाभ होगा। मुझे आपके फीडबैक की प्रतीक्षा रहेगी।

संजीव कुमार  
अपर सचिव (स्वास्थ्य) और महानिदेशक,  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार

# संयुक्त सचिव की कलम से



मुझे नए वर्ष के प्रथम संस्करण के लिए यह संदेश लिखते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। जब यह आपके हाथों में पहुँचेगा, तब तक हम वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक कार्य योजना (ए.ए.पी.) बनाने का कार्य पूरा कर चुके होंगे। इस तिमाही में, हमें पिछली 3 तिमाहियों में आरंभ की गई गतिविधियों को समेकन और समीक्षा करनी है, ताकि एड्स नियंत्रण परियोजना द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 2018-19 के नए लक्ष्य निर्धारित किए जा सकें।

भारत में वैश्विक मानदंडों के अनुरूप एच.आई.वी. निगरानी और परिमापन की अपेक्षाकृत नई विधियों के क्रियान्वयन की दिशा में ठोस रूपरेखा मुहैया कराने के लिए, इस उद्देश्य से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा यू.एन.एड्स, डब्ल्यू.एच.ओ. और सी.डी.सी. के सहयोग से 'भारत में एच.आई.वी. निगरानी और परिमापन की अपेक्षाकृत नई विधियों के संबंध विशेषज्ञ परामर्श' का आयोजन किया गया।

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि नाको में राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद् (एन.बी.टी.सी.) के शासी निकाय की 27वीं बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें रक्तदान सेवाओं और कोशिकीय चिकित्साओं के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंदर एक वर्टिकल का सृजन करने के प्रस्ताव, और राष्ट्रीय रक्त नीति 2002 की समीक्षा एवं संशोधन पर चर्चा की गई।

मेरे शब्दों का सारांश, कृपया इस संस्करण को बेहतर बनाने के लिए अपने बहुमूल्य विचार और फीडबैक निःसंकोच हमारे साथ साझा कीजिये।

आलोक सक्सेना,  
संयुक्त सचिव, नाको,  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,  
भारत सरकार



# संपादक की कलम से



## वायरल लोड प्रशिक्षण

पी.एल.एच.आई.वी के बीच रोगों की संख्यां और मृत्यु दर को कम करने के लिए दवा प्रतिरोध को रोकना और उपचार अवरोध का पता लगाना आवश्यक है। इस मिशन को सफल रूप से प्राप्त करने के लिए नाको और एस.ए.सी.एस द्वारा पुरे भारत में वायरल लोड (वीएल) परीक्षण को बड़े पैमाने पर प्रतिबद्ध रूप से संचालित किया गया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री जेपी नड्डा जी ने 26 फरवरी, 2018 को दिल्ली में सभी पी.एल.एच.आई.वी के लिए वायरल लोड टेस्टिंग मशीन का शुभारम्भ किया। इस समारोह में

कई पी.एल.एच.आई.वी., सिविल सोसाइटीज, संयुक्त राष्ट्र संगठन, डेवलपमेंट पार्टनर्स के साथ साथ राज्य एवं मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

सभी 12 लाख पी.एल.एच.आई.वी के परीक्षण और उपचार के लिए सभी लोगों के समर्थन और सहयोग की आवश्यकता है इस से पी.एल.एच.आई.वी को उनके उपचार की प्रभावशीलता को जानने में काफी मदद करेगी। वायरल लोड परीक्षण समयोचित हस्तक्षेप के लिए भी उपयोगी होगा जैसे अनुपालन पर ध्यान केंद्रित करना, नशीली दवाओं के नियमों को बदलने, अवरोध की शुरुआती पहचान और पी.एल.एच.आई.वी को अवांछनीय अवसरों से बचाने में काफी मदद मिलेगी।

वायरल लोड परीक्षण को सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है और अब तक 525 एआरटी केंद्रों से आउटसोर्स एजेंसी द्वारा 25000 से अधिक पी.एल.एच.आई.वी का परीक्षण किया गया है। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में 64 वायरल लोड परीक्षण मशीन भी वितरित की गई हैं जो की अभी स्थापना और कार्यक्षमता के विभिन्न चरणों में हैं। एक बार पूरी तरह से परिचालित होने के बाद, नाको दुनिया के सबसे बड़े वायरल लोड परीक्षण कार्यक्रमों में से एक होगा।

यह भी ध्यान रखा गया है कि अब सीडी 4 परीक्षण जारी रहेगा और इस उद्देश्य के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार किये जा रहे हैं और साथ ही इसे संबन्धित लोगों तक प्रसारित किया जा रहा है। एआरटी केंद्रों के एमओ के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

हम परिणामों का विश्लेषण करने के लिए एक एकीकृत सॉफ्टवेयर बनाने की प्रक्रिया में भी हैं ताकि एक बटन के क्लिक पर सीडी 4 और वायरल लोड के परिणाम सहित विभिन्न पैरामीटर एमओ को उपलब्ध हो सके और साथ ही एआरटी केंद्र पी.एल.एच.आई.वी को बेहतर देखभाल और उपचार में निर्णय लेने में मदद करेगा। एक बार फिर मैं 2030 तक एड्स को खत्म करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता हूँ।

जय हिन्द

डॉ. नरेश गोयल  
डी.डी.जी. (एल.एस. एंड आई.ई.सी.),  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,  
भारत सरकार

# मुख्य लेख

## सामान्य वायरल लोड परीक्षण का लोकार्पण



श्री जे.पी. नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री "एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के लिए "वायरल लोड परीक्षण" के लोकार्पण के दौरान।

26 फरवरी 2018 को श्री जे.पी. नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने अपने कर-कमलों से "एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के लिए वायरल लोड परीक्षण" का लोकार्पण किया। इस पहल से देश में इलाज करवा रहे 12 लाख से अधिक पी.एल.एच.आई.वी. एक वर्ष में कम से कम एक बार मुफ्त वायरल लोड परीक्षण करवा पाएंगे।



श्री जे.पी. नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री लोकार्पण के दौरान संबोधित करते हुए

माननीय केन्द्रीय मंत्री जी ने घोषणा कि, 'सभी का उपचार,' वायरल लोड परीक्षण एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के उपचार और निगरानी में एक बड़ा कदम है। यह वायरल लोड परीक्षण जीवनकालिक एंटीरेट्रोवायरल चिकित्सा करवाने वाले मरीजों के उपचार की कार्यसाधकता पर निगरानी करने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

श्री जे.पी. नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने उल्लेख किया कि हम 90-90-90 की कार्यनीति में शिखर पर पहुँचे हैं; हम पी.एल.एच.आई.वी. को उनकी वस्तुस्थिति ज्ञात करवाने के लिए 90% आबादी में सफल रहे हैं। अब हम 90% लोगों, पी.एल.एच.आई.वी. को ए.आर.टी. इलाज देने के बहुत करीब हैं, और आज इसके बाद आगामी महीनों में हम यह कोशिश करने में सफल होंगे कि 90% आबादी, पी.एल.एच.आई.वी. अपने वायरल लोड को सीमाओं के अंदर संदमित कर पायें।"

एस.ए.सी.एस., समुदायों, विकास भागीदारों आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 600 लोग इस ऐतिहासिक विशाल समारोह में शामिल हुए थे।

सुश्री अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने बल दिया कि एच.आई.वी./एड्स से, जिसका भारत में उन्मूलन किया जाना है, संघर्ष कर रहे हम सभी लोगों के लिए यह वाकई एक महान दिन है। हम अपनी ओर से सभी अपेक्षित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।



सुश्री अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

भारत सरकार 2030 तक एड्स के उन्मूलन के दीर्घकालिक विकास लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास कर रही है। यह हासिल करने के लिए, 90:90:90 के त्वरित लक्ष्य अर्थात एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले सभी लोगों में से 90% को अपनी वस्तुस्थिति ज्ञात हो, एच.आई.वी. संक्रमण से पीड़ित पाए जाने वाले सभी लोगों में से 90% को दीर्घकालिक एंटीरेट्रोवायरल चिकित्सा प्राप्त हो; और एंटीरेट्रोवायरल चिकित्सा ले रहे सभी लोगों में से 90% में वायरस संदमित हो; 2020 तक हासिल किए जाने हैं।

इस समय, प्रथम पंक्ति ए.आर.टी. ले रहे पी.एल.एच.आई.वी. में उपचार की कार्यसाधकता का निर्धारण करने हेतु छमाही सीडी4 काउंट के द्वारा निगरानी की जाती है। अन्य सहायक रोग-विषयक मानदंड सहित प्रतिरक्षा विफलता वाले रोगियों का लक्षित वायरल लोड परीक्षण किया जाता है ताकि द्वितीय पंक्ति ए.आर.टी. आरंभ किया जाए। अब नाको ने एक चरणबद्ध विधि से ए.आर.टी. ले रहे सभी रोगियों की सामान्य वायरल लोड निगरानी आरंभ की है।

#### कार्यनीतियाँ:

- » मेट्रोपोलिस को नियुक्त करके सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल चरणबद्ध विधि से आरंभ किया गया है। मार्च, 2018 तक 5449 परीक्षण किए जा चुके हैं। इस विधि के द्वारा, एक वर्ष में लगभग 2,10,000 परीक्षण किए जाने हैं।
- » सार्वजनिक क्षेत्र की वायरल लोड प्रयोगशालाओं को बढ़ाना। प्रति वर्ष दस लाख से अधिक वायरल लोड परीक्षणों की मांग को पूरा करने के लिए, जी.एफ.ए.टी.एम. से सहायता के तहत, वायरल लोड परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित किए जाने की योजना है।
- » संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (आर.एन.टी.सी.पी.) के अंतर्गत सी.बी.एन.ए.ए.टी. मशीनों का उपयोग। आर.एन.टी.सी.पी. और नाको के बीच संमिलन के भाग के रूप में, आर.एन.टी.सी.पी. के अंतर्गत सी.बी.एन.ए.ए.टी. मशीनों को एच.आई.वी.-1 वायरल लोड की जांच करने के लिए भी उपयोग किया जाएगा। सी.बी.एन.ए.ए.टी. पर जांच करने के लिए, पूर्वोत्तर राज्यों, सुदूर और पर्वतीय इलाकों को वरीयता दी जाएगी।

#### वायरल लोड (वी.एल.) परीक्षण के लाभ:

सामान्य निगरानी में वायरल लोड परीक्षण निम्नलिखित के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होगा:

- » प्रथम पंक्ति उपचार ले रहे पी.एल.एच.आई.वी. के बीच विफलता का शीघ्र पता लगाना
- » अनुपरीक्षण लुप्त (एल.एफ.यू.) का न्यूनीकरण करने हेतु उपचार अनुपालन पर फोकस लाना
- » एंटीरेट्रोवायरल चिकित्सा के लिए दवा प्रतिरोधकता की घटना का न्यूनीकरण करना
- » शीघ्र निर्णय लेने के लिए ए.आर.टी. केन्द्रों के चिकित्सा अधिकारियों का सशक्तीकरण करना
- » ज्यादा लंबा स्वस्थ जीवन बिताने में पी.एल.एच.आई.वी. की सहायता करना



“वायरल लोड परीक्षण, एच.आई.वी. उपचार निगरानी का स्वर्णिम मानदंड है और यह उपचार अनुपालन एवं प्रभावोत्पादकता की सामयिक निगरानी के सदर्भ में व्यापक एवं सुस्थापित लाभ सुनिश्चित करता है।”

श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको

“सबसे पहले, आप सबका हार्दिक स्वागत, मैं आभारी हूँ कि माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकाला।

श्री अलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको





“वायरल लोड परीक्षण, संसाधनों की तंगी से पीड़ित स्वास्थ्य देखभाल तंत्रों में एक भारी लागत को दर्शाता है, लेकिन मुझे खुशी है कि नाको ने स्वास्थ्य सुधार का पथ सुनिश्चित करने के लिए लागत-फलकारी उपायों को अपनाया है।”

डॉ. तिमोथी होल्ट्ज, परियोजना निदेशक, सी.डी.सी.

“90-90-90 का अर्थ है कि वहां सही उपचार है; प्रथम भाग 90 निदान करवाना है – द्वितीय भाग अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह पूर्ववर्ती 90 के लिए भी महत्वपूर्ण है: इसका यह अर्थ भी होगा कि लोग इसे द्वितीय पंक्ति से देखना शुरू करेंगे, यानि अगर हालात पूरी तरह से ठीक नहीं हैं तो अब आप उसका जल्दी पता लगा पाने में समर्थ होंगे, बीमारी के साथ जीवन बिताने वाले लोग भी समझ पाएंगे कि न केवल यह अच्छे से कामयाब होता है, बल्कि यह तंत्र नियमित आधार पर काम करता है और तंत्र अपनी जगह पर मौजूद है।”

डॉ. हेंक बेकेदम, डब्ल्यू.एच.ओ. कंट्री रिप्रेजेंटेटिव



“आइये, हम किसी भी स्तर पर जो कुछ करते हैं, उसमें लोगों पर केन्द्रित और कुशल बनें। एक शब्द में, आइये हम एड्स, टीबी और हैपेटाइटिस को एकांत से बाहर निकालें। बहुल-रोग उन्मूलन कार्यनीति बुद्धिमानी है क्योंकि यह न्यूनीकृत आर्थिक लागत पर ज्यादा जिंदगियों की रक्षा करती है।”

डॉ. बिलाली कमारा, कंट्री निदेशक, यू.एन. एड्स

“हम एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के लिए एक सहायक परिवेश और एक बेहतर स्थान का सृजन करने की दिशा में कार्य करना जारी रखेंगे।”

डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (एल.एस.), नाको



सुश्री स्मिता मिश्र,  
प्रयोगशाला सेवाएं संभाग, नाको



# कार्यक्रम

## कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण

### राजस्थान



राजस्थान में कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप के लोकार्पण के दौरान प्रतिभागी

20 फरवरी 2018 को श्री संजीव कुमार, अपर सचिव और महानिदेशक, नाको ने कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्रीमती वीणू गुप्ता, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सेवाएं, राजस्थान सरकार; श्री भूपेन्द्र सिंह, महानिदेशक कारागार, राजस्थान सरकार; श्री एस.के. जैन, सदस्य सचिव, राज्य विधायी सेवा प्राधिकरण; डॉ. एस. वेंकटेश, डी.डी.जी., नाको; डॉ. एस.एस. चौहान, परियोजना निदेशक, राजस्थान एस.ए.सी.एस. और साथी के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. साई सुभाश्री राघवन उपस्थित थे।

इस सभा में कारागार विभाग, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल



राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और कारागार विभाग, राजस्थान सरकार ने कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप आरंभ करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

विकास, राज्य पुलिस, राज्य विधायी सेवा प्राधिकरण, गैर-सरकारी संगठन/समुदाय आधारित संगठन, स्वधार और उज्ज्वला गृहों से वरिष्ठ

अधिकारी सुनिश्चित करना है, जिसमें कारागारों और अन्य बंद स्थानों में रहने वाले लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब, चंडीगढ़, पूर्वोत्तर

राज्यों, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में क्रियान्वित हस्तक्षेपों के परिणाम इस हस्तक्षेप का सभी राज्यों में तेजी से विस्तार किए जाने की महत्ता को बार-बार दोहराते हैं।

श्रीमती वीणू गुप्ता, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सेवाएं, राजस्थान सरकार ने उल्लेख किया कि यह नई हस्तक्षेप

प्रत्येक कैदी की एच.आई.वी. जांच करना संभव बनाएगी और एच.आई.वी. संक्रमित कैदियों को उपचार सेवाओं के साथ जोड़ेगी और कारागार के अंदर एवं रिहाई के बाद अनुपालन सुनिश्चित करेगी। डॉ. वेंकटेश, उप-महानिदेशक, नाको ने राजस्थान एस.ए.सी.एस. को कारागारों और अन्य

बंद स्थानों में, जहां बड़ी संख्या में कैदी रहते हैं, सेवा सुविधाओं की स्थापना करने पर फोकस करने के लिए कहा, जिनमें एकीकृत परामर्श एवं जांच केन्द्र प्रतिष्ठान; और लिंक ए.आर.टी. केन्द्र शामिल हैं।

## हरियाणा

16 जनवरी 2018 को चंडीगढ़ में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में श्री के.एल. पंवार, माननीय कारागार मंत्री, हरियाणा सरकार ने कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप, उपचार और देखभाल कार्यक्रम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री अमित झा, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, हरियाणा सरकार; श्री विवेक जोशी, प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास, हरियाणा सरकार; डॉ. के.पी. सिंह, महानिदेशक कारागार, हरियाणा सरकार; कैप्टन लखविंदर सिंह जाखड़, महानिरीक्षक कारागार, पंजाब सरकार; श्री जगजीत सिंह, महानिरीक्षक कारागार, हरियाणा सरकार; श्री मोहिन्दर सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो; डॉ. वीणा सिंह, परियोजना निदेशक, हरियाणा एस.ए.सी.एस. और डॉ. सतीश अग्रवाल, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा सरकार भी उपस्थित थे। हरियाणा एस.ए.सी.एस. और राज्य कारागार विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस लोकार्पण समारोह में कानून प्रवर्तन अभिकरणों, स्वास्थ्य और अन्य गैर-सरकारी संगठनों से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



हरियाणा एस.ए.सी.एस. और राज्य कारागार विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

लोकार्पण समारोह में भाषण देते हुए, श्री के.एल. पंवार, माननीय कारागार मंत्री ने कारागार प्राधिकारियों को एच.आई.वी. रोकथाम और उपचार सेवाओं को कारागार परिवेश का एक अभिन्न अंग बनाने के लिए कहा। श्री अमित झा, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य ने एच.आई.वी. जांच एवं परामर्श सुविधाओं के साथ हैपेटाइटिस-सी, टीबी और सिफलिस का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का सुझाव दिया और एस.ए.सी.एस. को यह सुनिश्चित करने के उपाय करने का सुझाव दिया कि एच.आई.वी. पॉजीटिव वस्तुस्थिति या

अन्यथा के आधार पर किसी कैदी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाए। श्री विवेक जोशी, प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास ने हरियाणा में सरकार द्वारा संचालित गृहों में रहने वालेवासियों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष उल्लेख किया। श्री मोहिन्दर सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने एन.डी.पी.एस. अधिनियम 2014 में स्वापक इस्तेमाल और एच.आई.वी. से संबंधित धाराओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया। डॉ. वीणा सिंह, परियोजना निदेशक,

हरियाणा एस.ए.सी.एस. ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि एस.ए.सी.एस. राज्य में सभी उच्च जोखिम समूहों

(एच.आर.जी.) के लिए लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.) कार्यक्रम को फिर से चालू कर रही है। श्री लखविंदर सिंह,

महानिरीक्षक कारागार, पंजाब ने राज्य के सभी केन्द्रीय कारागारों में हस्तक्षेप को बढ़ाने का अनुभव साझा किया।

## मध्य प्रदेश



डॉ. एस. वेंकटेश, डी.डी.जी., नाको कारागारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. एवं टी.बी. हस्तक्षेप के दौरान गणमान्य व्यक्तिगण के साथ

29 मार्च, 2018 को भोपाल में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में डॉ. एस. वेंकटेश, डी.डी.जी. नाको ने मध्य प्रदेश में काराबारों और अन्य बंद स्थानों में एच.आई.वी. एवं टी.बी. हस्तक्षेप का लोकार्पण किया। इस बैठक में श्री जी.एस. मीणा, महानिदेशक कारागार एवं सुधारक सेवाएं; श्री उमेश कुमार, परियोजना निदेशक, एम.पी.एस.ए.सी.एस.; और डॉ. अतुल कराटे, राज्य टीबी

अधिकारी, मध्य प्रदेश सरकार उपस्थित थे। समारोह के दौरान, एच.आई.वी. पॉजीटिव क्लायंटों की शीघ्र पहचान का संवर्धन करने के लिए "अभियान शुरुआत" नामक एक पहल का भी लोकार्पण किया गया। डॉ. एस. वेंकटेश, डी.डी.जी. नाको ने उल्लेख किया कि 25 राज्यों में 260 कारागार स्थलों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप क्रियान्वयन के द्वारा प्राप्त परिणाम देश के अन्य कारागारों में इन हस्तक्षेपों को

सशक्त बनाने के लिए सुदृढ़ साक्ष्य मुहैया कराते हैं। इस बैठक में विभिन्न विभागों से प्रतिनिधिगण उपस्थित थे, जिनमें कारागार, राज्य पुलिस, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय, महिला और बाल विकास, कानून प्रवर्तन अभिकरण, भागीदार गैर-सरकारी संगठन, साथी, टी.आई. प्रतिनिधिगण, नाको से अधिकारीगण, स्वधार और उज्वला गृह शामिल हैं।

श्री अब्राहम लिंकन, तकनीकी विशेषज्ञ – अपकार न्यूनीकरण  
सुश्री सोफिया खुमुकशाम, कार्यक्रम अधिकारी—आई.डी.यू.  
सुश्री किम होजेल, तकनीकी अधिकारी—आई.डी.यू.



## भारत में एच.आई.वी. निगरानी और परिपमान की अपेक्षाकृत नई विधियों के संबंध में विशेष परामर्श

भारत का एक सबसे विशाल, सबसे सुदृढ़ और सामंजस्यपूर्ण एच.आई.वी. निगरानी तंत्र है, जो सभी जिलों के लगभग 90% को कवर करता है। मुख्य संघटकों के रूप में एच.आई.वी. प्रहरी निगरानी (एच.एस.एस.), व्यवहारवादी निगरानी तंत्र (बी.एस.एस.), एकीकृत जैविक और व्यवहारवादी निगरानी (आई.बी.बी.एस.) और एच.आई.वी. परिमाणन के साथ इसके अनेक पहलू हैं। यह तंत्र वर्षों के दौरान क्रमविकसित हुआ है और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा एक पूर्णतया क्रियाशील निगरानी तंत्र माना गया है। भारतीय निगरानी तंत्र की एक मुख्य शक्ति नियमित समीक्षा और परिणामी सुधारों के लिए इसकी क्षमता है। इसी क्रम को जारी रखते हुए, नाको द्वारा यू.एन.एड्स, डब्ल्यू.एच.ओ. और सी.डी.सी. के सहयोग से 21–24 मार्च 2018 को 'भारत में एच.आई.वी. निगरानी और परिमाणन की अपेक्षाकृत



श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको विशेषज्ञ परामर्श के दौरान सभा को संबोधित करते हुए

नई विधियों पर विशेषज्ञ परामर्श' का आयोजन किया गया। डॉ. बी.डी. अथानी (महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) मुख्य अतिथि थे, जिस दौरान श्री आलोक सक्सेना (संयुक्त सचिव, नाको) ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। डॉ. बिलाली कमारा (यू.एन.एड्स इंडिया), डॉ. निकोले सेजुए (डब्ल्यू.एच.ओ. इंडिया), डॉ. तिमोथी होल्टज

(सी.डी.सी. इंडिया), सुश्री सारा हैदारी (यू.एन.एड्स इंडिया) ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस बैठक में राष्ट्रीय विशेषज्ञों और यू.एन.एड्स जिनेवा, डब्ल्यू.एच.ओ. जिनेवा, ईस्ट-वेस्ट सेंटर हवाई, सी.डी.सी. एटलांटा और यू.एन.एड्स रीजनल स्पोर्ट टीम फॉर एशिया-पेसिफिक रीजन से अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

डॉ. अथानी ने अपने उद्घाटन सत्र के दौरान उल्लेख किया, "रोग निगरानी एक जन स्वास्थ्य व्यवसायी का स्टेथोस्कोप और एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण जन स्वास्थ्य कार्य है।"

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको ने अपने सभापति भाषण के दौरान उल्लेख किया, "भारत का एड्स प्रत्युत्तर एक साक्ष्य संचालित कार्यक्रम है। हालांकि कार्यनीतिपरक सूचना तंत्र अत्यधिक अच्छे से कार्य कर रहे हैं, फिर भी दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के एक भाग के रूप में 2030 तक एड्स को समाप्त करने के लिए, वैश्विक और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के नए युग में इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता



भारत में एच.आई.वी. निगरानी और परिमाणन की अपेक्षाकृत नई विधियों के संबंध में विशेषज्ञ परामर्श के दौरान प्रतिभागी

महसूस की गई। यह परामर्श कार्यनीतिपरक सूचना प्रबंधन तंत्र को अगली पीढ़ी तक ले जाने हेतु किए जा रहे प्रयासों का मर्म है जो हमारे समुदायों के लिए यथासंभव सर्वश्रेष्ठ रोकथाम, जांच, देखभाल, सहायता और उपचार सेवाएं हासिल करने के लिए व्यवहार्य

साक्ष्य उपलब्ध कराता है।

डॉ. डी.सी.एस. रेड्डी, डॉ. अरविंद पाण्डेय, डॉ. शशि कांत और डॉ. संजय मेहन्दाळे को यह सुनिश्चित करने में कि राष्ट्रीय एड्स प्रत्युत्तर में एक सर्वश्रेष्ठ निगरानी तंत्र हो जो सर्वाधिक किफायती तरीकों से सर्वश्रेष्ठ



साक्ष्य उपलब्ध कराते हुए क्रमविकास और विस्तार करता रहे, उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

परामर्श के दौरान, डॉ. एस. वेंकटेश (डी.डी.जी., नाको) ने उल्लेख किया, “कुशल और दीर्घकालिक जन स्वास्थ्य प्रत्युत्तर साध्य बनाने के लिए आंकड़ों का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस संबंध में, तीन प्रश्न विवेचनात्मक बने रहते हैं: कौन से आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे, उसे कैसे संग्रहित किया जाएगा और फिर कैसे उसे एक कार्यसाधक प्रत्युत्तर की रूपरेखा बनाने

एवं क्रियान्वित करने में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।”

परामर्श का लक्ष्य भारत में वैश्विक मानदंडों के अनुरूप एच.आई.वी. निगरानी और परिमाणन की अपेक्षाकृत नई विधियों के क्रियान्वयन की दिशा में ठोस रूपरेखा मुहैया कराना था। बैठक के दौरान कार्यक्रम-आधारित निगरानी, जिला स्तरीय परिमाणनों, जनसंख्या आकार परिमाणों, एच.एस.एस. प्लस और एच.आई.वी. सिफलिश और हैपेटाइटिस के लिए एकीकृत निगरानी से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। अंतर्राष्ट्रीय

विशेषज्ञों ने विभिन्न देशों द्वारा अपनाई गई विधियों और व्यावहारिक निमित्तों का विशेष उल्लेख किया।

एक परिणाम के रूप में, प्रतिभागी इस पर सहमत हुए कि “निगरानी, परिमाणों और कार्यक्रमों से आंकड़े विभिन्न प्रकार की सूचना को दर्शाते हैं, जो फिर एकसाथ मिलकर एच.आई.वी. महामारी और प्रत्युत्तर के संबंध में बेहतर परिप्रेक्ष्य मुहैया कराती है। प्रत्येक प्रकार की सूचना महत्वपूर्ण है और उसे अलग से नहीं देखा जाना चाहिए।”

डॉ. प्रदीप कुमार,  
कार्यक्रम अधिकारी (निगरानी)

## एड्सकॉन 7 – एड्स मुक्त संसार की ओर

16 एवं 17 फरवरी 2018 को आई.एम.ए. ऑडोटीोरियम, चंडीगढ़ में चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा लगातार 7वें वर्ष के लिए राष्ट्रीय एच.आई.वी./एड्स सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री अनुराग अग्रवाल, आई.ए.एस., सचिव स्वास्थ्य, चंडीगढ़ प्रशासन ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।



श्री अनुराग अग्रवाल, आई.ए.एस., सचिव स्वास्थ्य, चंडीगढ़ प्रशासन अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ

सम्मेलन में, डॉ. नरेश गोयल, उप-महानिदेशक और डॉ. आर.एस. गुप्ता, उपनिदेशक, नाको ने 2020 तक 90:90:90 हासिल करने और 2030 तक एड्स को समाप्त करने लक्ष्यों को रेखांकित किया। वैश्विक भागीदारों का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. निकोले सेजय, टीम लीडर, कॉम्प्युनीकेबल डिजीज, डब्ल्यू.एच.ओ. इंडिया, डॉ. सवीना अम्मासारी, सीनियर स्ट्रेजिक इन्फॉर्मेशन एडवाइजर, यू.एन.एड्स और डॉ. बित्रा जॉर्ज, कंट्री डायरेक्टर, एफ.एच.आई.360, नई दिल्ली ने 2030 तक एड्स को समाप्त करने की नीतियों को रेखांकित किया।

मुख्य तकनीकी सत्र में रक्त संरक्षा, एच.आई.वी./एड्स अधिनियम 2017, एच.आई.वी. रोकथाम और देखभाल में उभर रहे मसले, युवा और एच.आई.वी./एड्स, एच.आई.वी. और समयानुवर्ती संक्रमण, आई.ई.सी. और मेनस्ट्रीमिंग शामिल थे। जी.एम.सी.एच.-32, चंडीगढ़ के विद्यार्थियों ने एच.आई.वी./एड्स कलंक पर एक नाटक का प्रदर्शन किया। इस नाटक ने विशेष रूप से दिखाया कि किस तरह एच.आई.वी. संचारण के बारे में जागरुकता की कमी पी.एल.एच.आई.वी. के लिए गैर-जरूरी कलंक पैदा करती है और

उन्हें बुनियादी अधिकारों से वंचित किया जाता है। दो लघु फिल्में भी दिखाई गईं—एक में व्यक्ति की यौन अभिमुखता के बारे में उसके आंतरिक विवाद को दिखाया गया था। दूसरी फिल्म में, एक किशोर लड़के द्वारा अपनी यौन अभिमुखता के बारे में अपनी माँ को बताने की कोशिशें दिखाई गई थीं। सत्र दस्तावेज प्रस्तुतीकरण के अंतर्गत शामिल विषय उत्तराखंड राज्य में कारागार हस्तक्षेप कार्यक्रम, उत्तराखंड, एस.ए.सी.एस. की तकनीकी सहायता एकक द्वारा: तकनीकी सहायता एकक और उत्तराखंड एस.ए.सी.एस., देहरादून

की एक पहल, कार्यक्रमों की कुशलता में सुधार लाना, एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु 90—90—90 हासिल करना, आई.टी. समाधान प्रयोग करना, सी.ओ. की शक्ति, सुग्राहिता न्यूनीकरण और संरक्षित यौन आचरण – भारत के 5 राज्यों में एफ.एस.डब्ल्यू. के बीच

अध्ययन, हॉटस्पॉट और गूगल मैप्स इस्तेमाल करते हुए सेवा मापचित्रण आदि थे। एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसमें प्रतिभागियों ने सही उत्तर देने का प्रयास किया। यदि चंडीगढ़ की वस्तुस्थिति पर फोकस किया जाए तो सामान्य

आबादी और उच्च जोखिम समूहों के बीच व्याप्ति जांचे गए सामान्य क्लायंटों हेतु घटकर 0.8% और गर्भवती महिलाओं हेतु 0.09% रह गई है, जो समुदाय में व्याप्ति के लिए एक परोक्षी चिह्नक है।

सुश्री टीनू खन्ना  
चंडीगढ़ एस.ए.सी.एस.

## एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण योजना पर कार्यशाला

साक्ष्य एवं अनुसंधान और उपलब्ध आंकड़ों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने के संबंध में, आंकड़ा विश्लेषण योजना विकसित करने में क्षमता का निर्माण और कार्यक्रम की आवश्यकताओं का निवारण करने के उद्देश्य से, 7 से 9 मार्च 2018 को नई दिल्ली में नाको पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एच.आई.वी./एड्स अनुसंधान में कार्यरत विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों और संगठनों से कुल 23 विश्लेषकों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान, एन.ए.आर.आई., एन.आई.एम.एस., आर.एम.आर.आ. ई.एम.एस., आई.सी.आर.डब्ल्यू. मेडिकल कालेजों, जनसंख्या परिषद, एफ.एच.आई., डब्ल्यू.एच.ओ., सी.डी.सी. आदि से सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन और परामर्श किया। 'करके सीखने की अनूठी विधि' अपनाई गई थी, जिसमें एक उल्लेखनीय अनुपात में प्रशिक्षण सामूहिक कार्य के रूप में प्रदान किया गया। कार्यशाला के बाद संवादात्मक तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसके फलस्वरूप आगे सामूहिक कार्य में नेटवर्क के मार्गदर्शन में विश्लेषण प्रोटोकॉल को अंतिम रूप



डॉ. तिमोथी होल्डज, परियोजना निदेशक, सी.डी.सी. एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण के संबंध में कार्यशाला संबोधित करते हुए

दिया गया। नाको में आंकड़ा विश्लेषण एवं प्रचार एकक के अंतर्गत एक मुख्य कार्यसूची आंकड़ों के सृजन, विश्लेषण और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयोग करने से संबंधित तकनीकी कार्य आरंभ करना और राज्य एवं जिला स्तरों पर कार्य को प्रोत्साहन एवं शिक्षण देना है, जिसमें आंकड़ों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी, आंकड़ों का विधिमान्यकरण एवं सफाई, जानपदिक रोग विज्ञान का विश्लेषण, कार्यक्रम एवं अनुसंधान आंकड़े, और आंकड़ा विश्लेषण कार्यशालाओं के द्वारा कार्यक्रम प्रबंधकों और युवा वैज्ञानिकों का क्षमता निर्माण शामिल है। राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण योजना (एन.ए.डी.पी.), एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत आंकड़ा विश्लेषण एवं प्रचार

एकक – नाको की एक सर्वोत्कृष्ट पहल है।

नाको ने प्रतिष्ठित संस्थानों/संगठनों से सशक्त तकनीकी सहायता के साथ, विशेषकर आंकड़ा विश्लेषण और आंकड़ा त्रिकोणमिति के क्षेत्रों में अनेक पहलें आरंभ की हैं। एन.डी.ए.पी. इस विरासत को जारी रखेगा और सांस्थानिक सहबद्धता का अतिरिक्त पालन-पोषण करेगा। उपलब्ध आंकड़ों का सुव्यवस्थित विश्लेषण आरंभ करने के लिए, भारत में संस्थानों और संगठनों के पास उपलब्ध समृद्ध विशेषज्ञता का परस्पर लाभप्रद विधि से लाभ उठाया जाएगा।

### राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण योजना के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- » ऐसे विषयों/विषयक क्षेत्रों की पहचान करना जिनका उपलब्ध सूचना का विश्लेषण करके अध्ययन किया जा सके।
- » विश्लेषण हेतु मुख्य प्रश्नों और उपयुक्त विधि/साधनों के अभिनिर्धारण द्वारा विश्लेषण की संरचना बनाना।
- » संस्थानों, कार्यक्रम एककों और परामर्शदाता के रूप में वरिष्ठ विशेषज्ञों को शामिल करते हुए एक सहयोगपूर्ण विधि के द्वारा विश्लेषण चालू करना, सहमत घटनाक्रम के साथ।

- » समय-समय पर कार्यक्रमबद्ध उपयोग हेतु विश्लेषणात्मक परिणामों का समेकन, चर्चा और प्रसार करना।
- » वैज्ञानिक दस्तावेजों/रिपोर्टों/तकनीकी संक्षेपों आदि के रूप में कार्यक्रम के अंदर वैज्ञानिक लेखन को प्रोत्साहन देना।

पदम नारायण  
आंकड़ा विश्लेषण और प्रचार इकाई, नाको

## राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद् (एन.बी.टी.सी.) के शासी निकाय की 27वीं बैठक

30 जनवरी 2018 को एन.बी.टी.सी. के अध्यक्ष एवं अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको श्री संजीव कुमार, की अध्यक्षता में एन.बी.टी.सी. के शासी निकाय की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संयुक्त सचिव, नाको; सदस्य सचिव, एन.बी.टी.सी.; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, डी.जी.एच.एस., डी.सी.जी. (आई) दिल्ली, डी.जी. ए.एफ.एम.एस., आई.आर.सी.एस., आई.एम.ए., एम.सी.आई., नाको से अधिकारीगण; गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों; चिकित्सा व्यावसायियों, रक्ताधान औषध विशेषज्ञों और निजी ब्लड बैंकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान, वर्ष 2017 में रक्ताधान सेवाओं द्वारा संचालित गतिविधियों का एक सिंहावलोकन किया गया। ब्लड बैंक और रक्ताधान सेवाओं के



श्री संजीव कुमार, अपर सचिव और महानिदेशक, नाको एन.बी.टी.सी. के शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता करते हुए

लिए जन शक्ति प्रतिमानकों के संशोधन हेतु विशेष डी.जी.एच. के अंतर्गत गठित विशेषज्ञ कार्यदल की रिपोर्ट; एन.एच.आर.सी. को रिपोर्ट प्रस्तुति; रक्ताधान सेवाओं एवं कोशिकीय चिकित्साओं हेतु स्वास्थ्य

और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंदर एक वर्टिकल के सृजन; और राष्ट्रीय रक्त नीति 2002 की समीक्षा एवं संशोधन पर भी चर्चा की गई।

## नाको में स्वैच्छिक रक्तदान (वी.बी.डी.)

एन.बी.टी.सी., नाको ने डॉ. आर.एम.एल. अस्पताल ब्लड बैंक की सक्रिय सहायता के साथ वर्ष की प्रत्येक तिमाही में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव किया। 30 जनवरी 2018 को नाको में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 37 दाता रक्तदान करने हेतु आगे आए।



डॉ. शोभिनी राजन, ए.डी.जी., नाको रक्तदान शिविर के दौरान टीम के साथ

डॉ. शोभिनी राजन, ए.डी.जी., नाको  
श्री जॉली लाजारुव (वी.बी.डी.), नाको

## आई.डी.बी.आई. नई दिल्ली 10k मैराथन



श्री संजीव कुमार, अपर सचिव और महानिदेशक, नाको मैराथन के दौरान सी.एल.एच.आई.वी. और प्रतिभागियों के साथ

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने यू.एन.एड्स के सहयोग से हाल ही में 25 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में आई.डी.बी.आई. द्वारा आयोजित 10k मैराथन में भाग लिया। श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको, डॉ. बिलाली कमारा, कंट्री कूओर्डिनेटर, यू.एन.एड्स (एच.आई.वी./एड्स के संबंध में संयुक्त राष्ट्र का संयुक्त कार्यक्रम) और पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में इस ऐतिहासिक दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले आठ बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) ने, जिनमें स्नेहग्राम, बेंगलुरु से पांच लड़के और तीन लड़कियां शामिल थीं, दौड़ लगाई और कीर्तिमान समय के अंदर 10k मैराथन को पूरा किया। मैराथन के बाद, बच्चों ने श्री सचिन तेंदुलकर से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किये। सी.एल.एच.आई.वी. को मैराथन में भाग लेने का मुख्य उद्देश्य इस संदेश का प्रचार करना था कि एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोग उतने ही स्वस्थ हैं, जितने कि सामान्य लोग। मैराथन स्वयं अपने में एक भारी सफलता थी क्योंकि इसने एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले सभी युवा लोगों को एकजुट किया। उन्होंने दुनिया के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ का प्रदर्शन करते हुए इस दौड़ में हाथ मिलाये।



पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट संसार की किवंदती, सचिन तेंदुलकर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए

सुश्री नेहा पाण्डेय  
आई.ई.सी. एंड एम.एस. संभाग, नाको

## प्राथमिकता—प्राप्त सी.ए.बी.ए. जरूरतों के लिए ग्राम पंचायत की सामान्य निधियों से आर्थिक सहायता

एड्स से प्रभावित बच्चों (सी.ए.बी.ए.) और परिवारों के मसलों को मुख्यधारा में लाने के लिए, अंतर-क्षेत्रक सहयोग और सरकारी विभागों के साथ एकीकरण के भाग के रूप में, ए.पी.एस.ए.सी.एस. और के.एच.पी.टी. का दल विभिन्न सरकारी विभागों,

जैसे महिला और बाल विकास, नागरिक आपूर्ति निगम, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण एवं अ.जा. वित्त निगम, शिक्षा, आवास, कौशल विकास निगम से नियमित रूप से मुलाकात एवं संवेदीकरण करता है और सी.ए.बी.ए./परिवारों

की वरीय एवं तात्कालिक जरूरतों पर सरकारी अधिकारियों के प्रत्युत्तर के साथ पक्षसमर्थन करता है। श्री बी. रामांजनेयूलू, आई.ए.एस., आयुक्त और श्री एम.एम. सुधाकर राव, अपर आयुक्त पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, आंध्र प्रदेश सरकार



के साथ एक बैठक की गई। इस समुदाय की वरीय जरूरतों के लिए ग्राम पंचायत निधियों का आबंटन करने के लिए संयुक्त अनुरोध पत्र (के.एच.पी.टी. एवं टी.एन.पी.+ पी.एल.एच.आई.वी. नेटवर्क) के साथ पूर्व गोदावरी, गुंतूर और कृष्णा जिले में 76 गांवों की एक सूची प्रस्तुत की गई।

पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ मुख्यधारा में लाने के प्रयासों के फलस्वरूप सरकारी आदेश जारी किया गया, जिसमें एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित एवं प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों की वरीय जरूरतों, जैसे पोषण, शिक्षा, व्यावसायिक कौशल निर्माण, आजीविका एवं आय सृजन

गतिविधियों और अन्य महत्वपूर्ण जरूरतों के लिए ग्राम पंचायत की सामान्य निधियों से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। उसके अलावा, ग्राम पंचायतों क्षेत्रक कार्यों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कल्याण, कृषि और मवेशी पालन पर आय के अपने स्रोत के 10% तक व्यय भी करेंगी!

श्री रवि भूषण  
आई.ई.सी. एंड एम.एस. सभाग, नाको

## डी.ए.पी.सी.यू. का ब्लॉग: उच्च जोखिम समूहों और एच.आई.वी. के साथ बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) के लिए कलंक एवं भेदभाव मिटाने और सहायता जुटाने में भूमिका

उच्च जोखिम आचरण करने वाले समूह और पी.एल.एच.आई.वी. द्वारा उनके प्रतिदिन के जीवन में कलंक एवं भेदभाव का सामना करना जारी है, जो स्वास्थ्य सेवाओं, कानूनी सहायता और सामाजिक हकदारियों तक उनकी पहुँच को सीमित करता है।

डी.ए.पी.सी.यू., एन.ए.सी.पी. प्रतिष्ठानों, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य और अन्य अग्रिम विभागों के साथ समन्वय में

सहायता जुटाने और उच्च जोखिम समूहों एवं एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों द्वारा झेले जाने वाले कलंक एवं भेदभाव का निवारण करते रहे हैं। संघटित प्रयासों के फलस्वरूप, पिछले कुछ सालों के दौरान ब्लॉक पोस्ट के द्वारा कलंक एवं भेदभाव की घटनाओं को कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को बढ़ाने, कानूनी सुरक्षा का ज्ञान बेहतर बनाने और सरकारी सामाजिक लाभ

योजना के साथ सहबद्धता को सुदृढ़ करने के क्षेत्रों में प्रगति हुई है। ब्लॉग पोस्ट सफलता की कहानियों को साझा करने और इस समुदाय द्वारा झेले जाने वाले कलंक एवं भेदभाव के मामलों को सुलझाने के लिए डी.ए.पी.सी.यू. द्वारा उठाए जा रहे विनिर्दिष्ट कदमों का विशेष उल्लेख करने का अवसर प्रदान करता है।

### कलंक और भेदभाव का मामला:

तूतीकोरीन – डी.ए.पी.सी.यू. के सामने एक दम्पति की आपसी कलह का मसला आया। पत्नी को पॉजीटिव पाया गया था और पति तलाक की अरजी लगाना चाहता था। इस परिस्थिति में, डी.ए.पी.सी.यू. ने ए.आर.टी. केन्द्र के अनुरोध पर कार्रवाई की और परिवार परामर्श का इंतजाम किया, जिसके फलस्वरूप दम्पति के अलग होने की रोकथाम हुई।

आज की तारीख तक मामलों का ब्यौरा इस प्रकार है:

क्र.सं.	जिला	प्राप्त	निपटान	लंबित
1	कुडालूर	4	2	2
2	कन्याकुमारी	3	3	0
3	मदुरै	1	1	0
4	सेलम	1	0	1
5	थेनी	1	1	0
जोड़		10	7	3

डॉ. गोविंद बंसल,  
डी.एन.आर.टी. श्री सुनील के शेवू, डी.एन.आर.टी., नाको

## पश्चिम बंगाल

### राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एन.यू.एच.एम.) में गर्भवती महिलाओं की एच.आई.वी. जांच

पश्चिम बंगाल ने एन.यू.एच.एम. के ढांचे में गर्भवती महिलाओं के लिए एच.आई.वी. जांच व्याप्ति को बढ़ाने के लिए एक अन्य मार्ग आरंभ किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन गर्भवती महिलाओं की एच.आई.वी. जांच करना है, जो शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (यू.एच.एन.डी.) के साथ पंजीकृत हैं। एक जिले अर्थात् उत्तरी 24 पारागना में कार्यक्रम का पायलट चलाया गया, जिस जिले के अंदर विशाल संख्या में नगरपालिकाएं हैं, और जहां अभी तक गर्भवती महिलाओं के लिए एच.आई.वी. जांच की व्याप्ति 85% से कम है। प्लान इंडिया के ए.एच.ए.एन.ए. कार्यक्रम के सहयोग से कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया, और कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु मिशन निदेशक, एन.एच.एम. द्वारा आदेश जारी किए गए।

प्रोटोकॉल के अनुसार, एफ.टी.एस. अर्थात् यू.पी.एच.सी. के प्रथम स्तरीय पर्यवेक्षक हीमोग्लोबिन जांच के साथ—साथ एच.आई.वी. जांच कर रहे हैं।



हीमोग्लोबिन जांच के साथ एच.आई.वी. जांच करते हुए कर्मचारी

### ट्रांसजेंडर की समस्याओं के बारे में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत अधिकारियों का संवेदीकरण

20 फरवरी 2018 को डब्ल्यू.सी.डी. विभाग के अंतर्गत पश्चिम बंगाल ट्रांसजेंडर बोर्ड के सहयोग से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण अधिकारियों के साथ ट्रांसजेंडर की समस्याओं पर 2018 संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सुभाजीत चैटर्जी, उप परियोजना निदेशक, डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी. एंड सी.एस.; डॉ. विश्वरंजन सतपति, सलाहकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पश्चिम बंगाल, डी.एच.एस.; डॉ. अजय चक्रवर्ती; डॉ. देवाशीष चक्रवर्ती; डी.एम.ई.; प्रोफेसर प्रदीप साह, निदेशक, मनोचिकित्सा संस्थान; सुतनुका भट्टाचार्य, अपर्णा बैनजी, सदस्य, डब्ल्यू.बी.टी.जी.डी.बी.; डॉ. डी.एन. गोस्वामी, जे.डी.टी.आई., डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी. एंड सी.एस.; और श्री विप्लव दास, नोडल अधिकारी, डब्ल्यू.बी.टी.जी.डी.बी. और संयुक्त सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण ने भाग लिया। डॉ. मनावी बंधोपध्याय, उपाध्यक्ष, डब्ल्यू.बी.टी.जी.डी.बी. ने ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा झेले जाने वाले कलंक, भेदभाव और हिंसा के बारे में चर्चा की।



ट्रांसजेंडर की समस्याओं के संबंध में संवेदीकरण परियोजना के दौरान गणमान्य व्यक्तिगण

सुश्री सुमिता सामंत  
पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.

## छत्तीसगढ़

### एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 पर कार्यशाला

एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के लिए राज्य निर्दिष्ट नियमों का प्रारूप तैयार करने के लिए, 14 मार्च 2018 को रायपुर में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, छत्तीसगढ़ सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, श्री साहू ने उल्लेख किया कि राज्य के जनसांख्यिकी और सामाजिक सूचकों को ध्यान में रखते हुए (साक्षरता और जनजातीय क्षेत्रों पर बल के साथ) दिशानिर्देशों और नियमों को बनाए जाने की जरूरत है।

श्रीमती रानू साहू, निदेशक स्वास्थ्य और परियोजना निदेशक सी.जी.एस.ए.सी.एस. ने सूचित किया कि ए.आर.टी. केन्द्रों में 29,000 पी.एल.एच.आई.वी. पंजीकृत हैं और जागरूकता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं और अप्रैल में केन्द्र सरकार द्वारा वायरल लोड परीक्षण मशीन लगाई जाएगी।

डॉ. राजेश राणा, नाको ने एच.आई.वी. /एड्स अधिनियम के मुख्य उपबंधों का



श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यशाला को संबोधित करते हुए

विशेष उल्लेख किया। इस अधिनियम ने राज्य स्तर पर लोकपाल और प्रतिष्ठानों में शिकायत अधिकारी का प्रावधान करके एक सुदृढ़ शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था की है। गोपनीयता और सुविज्ञ सहमति पर विशेष बल दिया गया है। अधिनियम में पी.एल.एच.आई.वी. और उनके बच्चों के सुरक्षित जीवनयापन हेतु एक सहायक वातावरण का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने लोकपाल के संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार किए गए प्रारूप मॉडल राज्य नियम भी प्रस्तुत किए। परामर्श के

दौरान, मुख्य विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, समुदाय आधारित संगठनों, पी.एल.एच.आई.वी. नेटवर्क और अन्य हितधारकों ने राज्य की निर्दिष्ट जरूरतों के अनुसार मॉडल प्रारूप को अनुकूलीकृत करने के लिए साधन-सामग्री उपलब्ध कराई। छत्तीसगढ़ राज्य में, एच.आई.वी./एड्स नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के लिए 125 आई.सी.टी.सी. केन्द्र, 4 ओ.एस.टी. केन्द्र, 1 ए.आर.टी. केन्द्र, 12 लिंक ए.आर.टी. केन्द्र, 30 सुरक्षा क्लीनिक और 35 गैर-सरकारी संगठन कार्य कर रहे हैं।

श्री अजय सिंह  
क्षेत्रीय निदेशक

## नागालैंड

### रेड रिबन क्लब (आर.आर.सी.): एच.आई.वी. और एड्स जागरूकता सप्ताह



एच.आई.वी. और एड्स जागरूकता सप्ताह के दौरान रेड रिबन क्लब की सदस्याएं

5 से 9 मार्च 2018 तक प्रणवन्दा वूमैन्स कालेज के रेड रिबन क्लब, दीमापुर ने "एच.आई.वी. और एड्स की रोकथाम में महिलाओं की भूमिका" विषय पर एच.आई.वी. और एड्स जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। कालेज सभागार में एक पोस्टर अभियान, निबंध प्रतियोगिता और सेमिनार का आयोजन किया गया।

## ए.ई.पी. के संबंध में शिक्षकों का प्रशिक्षण

16 मार्च 2018 को एन.एस.ए.सी.एस. ने यू.आर.ए. कालेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन के सहयोग से किशोरावस्था गर्भावस्था, स्वापक दुरुपयोग के मसलों

और इनके परिणामों तथा कलंक एवं भेदभाव के संबंध में ए.ई.पी. पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 182 शिक्षकों

(सरकारी और निजी, दोनों) ने भाग लिया।

श्री ऐनातो येथो  
नागलैंड एस.ए.सी.एस.

## जम्मू और कश्मीर

### पी.एल.एच.आई.वी. हेतु सामाजिक सुरक्षा पर बैठक

एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) के सामने आने वाले विभिन्न मसलों और समस्याओं को समझने एवं प्रशमन करने के उद्देश्य से, 10 मार्च 2018 को वक्ष रोग अस्पताल, सरकारी मेडिकल कालेज, जम्मू में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. मुश्ताक अहमद राठेर, परियोजना निदेशक, जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी मुख्य अतिथि थे। सेमिनार के दौरान, परियोजना निदेशक ने पी.एल.एच.आई.वी. को आश्वासन दिया कि सरकार लाभार्थियों की अधिकतम संख्या के लिए आर्थिक सहायता सुलभ कराने का प्रयास करेगी। सेमिनार में श्रीमती दीपिका बी. ठाकुर, उपनिदेशक आई.ई.सी., डॉ. विजय वर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, ए.आर.टी. केन्द्र जी.एम.सी. जम्मू, डॉ. यशपाल करसयाल, सहायक निदेशक बी.एस.डी., सुश्री सोनिया, परियोजना प्रबंधक, विहान आदि ने भाग लिया।



डॉ. मुश्ताक अहमद राठेर, परियोजना निदेशक, जम्मू और कश्मीर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते

श्री ऋषिण खजूरिया  
जम्मू और कश्मीर एस.ए.सी.एस.

## राजस्थान

### राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला



राजस्थान में राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ और प्रतिभागी



राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने युवा विभाग, युवा बोर्ड, राजस्थान को शामिल करते हुए युवा कार्य मंत्रालय के साथ जुड़े संगठनों के साथ 9 फरवरी 2018 को एक दिवसीय राज्य स्तरीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य युवाओं के बीच एच.आई.वी. संक्रमण की रोकथाम करने के उपायों के बारे में व्यापक

और सटीक सूचना उपलब्ध कराना था। बैंक/बीमा अजा/अजजा/ओबीसी अल्पसंख्यक कर्मचारी कल्याण परिषद के संयुक्त सहयोग से 10 फरवरी 2018 को जयपुर, राजस्थान में एक अन्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कामगारों के बीच जागरूकता एवं रोकथाम के संदेशों का प्रसार करना और एच.आई.वी. के

साथ जीवन बिताने वाले लोगों के मामलों के प्रबंधन एवं संभालने में कार्यस्थल नीतियों का अनुकूलिकरण करना था। इसके फलस्वरूप, बैंक/बीमा अजा/अजजा/ओबीसी अल्पसंख्यक कर्मचारी कल्याण परिषद के अध्यक्ष ने एस.बी.आई. प्रशिक्षण में एच.आई.वी. को एक प्रशिक्षण कार्य सूची के रूप में शामिल करने का आश्वासन दिया है।



## पंजाब

### स्वदेशी मेला में मुफ्त एच.आई.वी. जांच और जागरुकता

चंडीगढ़ में स्वदेशी में पांच दिवसीय जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय

मनोहर लाल खट्टर, मुख्य मंत्री, हरियाणा ने किया और श्री ब्रह्म मोहिन्द्र, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, पंजाब

ने मेले की अध्यक्षता की। समारोह के दौरान, जीरो पॉजीटिविटी के साथ 500 लोगों की जांच की गई।

### एच.आई.वी./एड्स झांकी ने तृतीय स्थान जीता

फजिल्का में एक जिला स्तरीय समारोह में गणतंत्र दिवस की पूर्व संख्या पर एच.आई.वी./एड्स

जागरुकता झांकी दिखाई गई, जिसे डॉ. नरिन्द्र कुमार, सिविल सर्जन की देखरेख में तैयार किया गया था,

और इस झांकी ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।

सुश्री रेखा  
पंजाब एस.ए.सी.एस.

## तमिलनाडु

### समथुवा पोंगल का उत्सव



12 जनवरी 2018 को टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस. ने मुख्य हितधारकों के साथ मिलकर राज्य स्तर पर और सभी 55 ए.आर.टी. केन्द्रों में "समथुवा पोंगल" के रूप में पोंगल पर्व मनाया। इनमें जिला प्रशासन, अस्पताल प्रशासन, पी.एल.एच.आई.वी., सी.बी.ओ. और गैर-सरकारी संगठनों को आमंत्रित किया गया। समथुवा पोंगल उत्सव की अध्यक्षता और उद्घाटन डॉ. सी. विजय भास्कर, माननीय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, तमिलनाडु सरकार ने किया। इस अवसर पर डॉ. के. राधाकृष्णन, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण; और डॉ. के. सेंथिल राज, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक/सदस्य सचिव, टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस. भी उपस्थित थे।

आई.सी.टी.सी. सेवाओं के 20 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने का उत्सव मनाने के उद्देश्य से, एक लोगो एवं टैगलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. सी. विजय भास्कर, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा की गई। सर्वश्रेष्ठ लोगो प्रतियोगिता की विजेता श्रीमती

जी. वाणी, आई.सी.टी.सी. लैब टेक्नीशियन, टी.वी.एम.सी.एच., तिरुनेलवेली जिला थीं और सर्वश्रेष्ठ टैगलाइन प्रतियोगिता की विजेता श्रीमती के. अकिलंदेश्वरी, सहायक प्रोफेसर, सेंगामाला थायार एजुकेशनल ट्रस्ट वूमैन्स कालेज, तिरुवारूर थीं। उन्होंने टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस. की नवनिर्मित वेबसाइट [www.tansacs.in](http://www.tansacs.in) का लोकार्पण और टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस. कार्यालय के लिए वाई-फाई का उद्घाटन भी किया। समथुवा पोंगल समारोह ने राज्य और जिला स्तरों पर एच.आई.वी. रोकथाम के लिए हाथ खड़े करने हेतु एकजुट होने के लिए भागीदारों और सेवा प्रदाताओं के बीच एक अच्छे मंच का सृजन किया है।

श्री एम.एस. पूगाञ्ज तमिलनाडु  
एस.ए.सी.एस.

## पाँडिचेरी

### अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: जागरुकता पदयात्रा



माननीय स्वास्थ्य मंत्री थिरु मल्लाड़ी कृष्ण राव, थिरु जयमूर्ति, विधायक द्वारा डॉ. के.वी. रमण, निदेशक स्वास्थ्य और डॉ. एस. जयंती, परियोजना निदेशक, पाँडिचेरी, एस.ए.सी.एस. की उपस्थिति में पदयात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया

8 मार्च 2018 को पुडुचेरी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.), पुडुचेरी द्वारा एच.आई.वी./एड्स, अरक्तता और स्तन एवं ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए एक जागरुकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न कालेज लाल रिबन क्लबों से 400 छात्राएं शामिल हुईं।

श्री एम. कृष्णमूर्ति पाँडिचेरी  
एस.ए.सी.एस.

## मुंबई

### राशन कार्यालयों में पक्षसमर्थन और सामाजिक सुरक्षा शिविर



राशन कार्यालयों में पक्षसमर्थन और सामाजिक सुरक्षा शिविरों में चर्चा प्रगति पर है

पी.एल.एच.आई.वी./सी.एल.एच.आई.वी./एफ.एस.डब्ल्यू./टी.जी. द्वारा योजनाओं का लाभ उठाए जाने का संवर्धन करने के लिए, 87 राशन अधिकारियों और सहायक राशन अधिकारियों के लिए डी. एंड ई. क्षेत्र में दो क्षेत्रीय पक्षसमर्थन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उपनियंत्रक, राशन ने इन शिविरों के दौरान मानव संसाधन और अन्य संभार व्यवस्थाओं के संदर्भ में एम.डी.ए.सी.एस. और गैर-सरकारी संगठनों को पूरी सहायता सुलभ कराने का निर्देश दिया।

**परिणाम:** अन्न सुरक्षा योजना (ए.एस.वाई.) स्टाम्प के लिए 78 कार्डों पर कार्रवाई की जा रही है, 203 कार्डों पर आधार सीडिंग की प्रक्रिया में हैं, 6 को जरूरत के अनुसार हस्तांतरित किया जाएगा, 1 सी.एल.एच.आई.वी. का नाम राशन कार्ड में जोड़ा गया।

सुश्री दनयनेश्वरी पुजारी  
एम.डी.ए.सी.एस.

## अंडमान और निकोबार

### स्वैच्छिक रक्तदान शिविर



अंडमान और निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी ने दक्षिण अंडमान जिले में कुल 39 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, जिनमें रक्त की 4729 यूनिटों का संग्रहण किया गया।

डॉ. जहानारा यास्मीन,  
अंडमान और निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी

# समारोह

## राष्ट्रीय युवा दिवस

भारत में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया

जाता है। इस स्वामी जी के दर्शन और आदर्शों को, जिनके लिए उन्होंने अपना जीवन बिताया और कार्य किया,

याद किया जाता है। वह भारतीय युवाओं के लिए एक महान प्रेरणा स्रोत हैं।







## सही परवर्शि का इम्तिहान करो पास, बच्चों से HIV पर खुल के करो बात

⊗ असुरक्षित यौन संबंध से दूर रहें ✗ एच.आई.वी. संक्रमित सुई का इस्तेमाल न करें

सरकारी अस्पतालों में एच.आई.वी. की जाँच एवं इलाज गुप्त और मुफ्त.  
अधिक जानकारी के लिए टेल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

एच.आई.वी.  
से बचाव, लाइफ का असली  
इम्तिहान



संरक्षक: श्री संजीव कुमार, अपर सचिव (स्वास्थ्य) एवं महानिदेशक, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

सयुक्त सचिव, नाको: श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादक: डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (नाको)

संपादकीय पैनल: डॉ. आर.एस. गुप्ता (डी.डी.जी.), डॉ. एस. वेंकटेश (डी.डी.जी.), डॉ. के.एस. सचदेवा (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.),  
डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), सुश्री नेहा पाण्डे (परामर्शदाता), नाको

नाको समाचार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

9वां तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36, जनपथ, नई दिल्ली – 110001, दूरभाष: 011-43509910, फ़ैक्स: 011-23731746, [www.naco.gov.in](http://www.naco.gov.in)

संपादन, डिज़ाइन और निर्माण: द विजुयल हाउस, ईमेल: [tvh@thevisualhouse.in](mailto:tvh@thevisualhouse.in)